सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 164 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 19 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हम ऐसी दुनिया में जीते हैं जहां फेसबुक पर हमारे बहुत से दोस्त हैं पर फिर भी हमने मानवीय लगाव खो दिया है।

-रॉबिन शर्मा

सूर्यकुमार को मिली टी-20 टीम... 7 | विवादों में एनडीए सरकार, चौतरफा... 3 | यूपी उपचुनाव में भी भाजपा को... 2

यूपी व असम सरकार के विवादित फैसलों पर सियासी भूचाल

राजद-सपा व कांग्रेस ने बीजेपी को बताया विभाजनकारी

कांवड़ यात्रा मार्ग की दुकानों पर नेमप्लेट लगाने के आदेश पर सवाल

» विपक्ष के निशाने पर आए सीएम योगी व हिमंता

» उत्तराखंड व जयपुर नगर निगम पर भी विफरे लोग

» आस्था की सुरक्षा पर सांप्रदायिक सियासत नहीं होनी चाहिए : भाजपा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी, उत्तराचंल, असम और राजस्थान सरकारों के विवादित फैसलों के बाद पूरे देश में सियासी कोहराम मचा हुआ। जहां बीजेपी ने इन फैसलों को जायज ठहराया है वहीं विपक्ष ने इसे विभाजनकारी बताया है। हालांकि बीजेपी की सहयोगी पार्टी जदयू व रालेद ने भी फैसले पर आपत्ति की है।

दरअसल, यूपी में मुज्जफरनगर प्रशासन ने कावंडमार्ग के दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने के निर्देश दिए थे बाद में सपा के हमले के बाद प्रशासन बैकफुट पर था। पर दूसरे दिन इस फैसले को आगे बढ़ाने हुए यूपी के सीएम योगी ने पूरे राज्य में कावड़ मार्गो पर स्थित दुकानदारों को नाम लिखने के आदेश दे दिए।

उधर असम में बाल विवाह से संबंधित कानून (मुस्लिम विवाह व तलाक कानून 1935) में बदलाव से भी वहां पर बवाल मचा है। योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रियों के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पूरे उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नेमप्लेट लगानी होगी। कांवड़ यात्रियों की आस्था की पवित्रता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। सीएम कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी। वहीं जयपुर नगर नए नियम के मुताबिक अब मीट की दुकानों के बाहर झटका या हलाल लिखना अनिवार्य है।

योगी सरकार पवित्र यात्रा को सांप्रदायिक रंग देना चाह रही है : रोहिणी आचार्य

योगी सरकार के इस फैसले के आलोचकों में अब लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य भी शामिल हो गई हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के रूट में दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने का आदेश मुसलमानों के खिलाफ है। रोहिणी आचार्य ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर योगी सरकार के नए आदेश के खिलाफ लंबा-चौड़ा पोस्ट लिख डाला। उन्होंने लिखा, लोकसभा चुनाव में अयोध्या की सीट हारने की खीज और अपनी खिसकती जमीन की हताशा में नफरती-विखंडनकारियों की जमात भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार ने मुसलमान भाइयों के इकोनॉमिक (आर्थिक) - बॉयकॉट के घृणित उद्देश्य से कांवड़-पथ पर नाम की तख्ती लगाकर सामान बेचने का फरमान जारी किया है। सारण लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी रहीं रोहिणी आचार्य ने आगे लिखा, वन श्रावण (सावन) मास में भगवान शिव के पूजन के लिए की जाने वाली पवित्र धार्मिक-यात्रा को भाजपा सरकार अपने गंदे राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के उद्देश्य से सांप्रदायिक रंग में रंगना चाह रही है।

पूरे तरीके से अव्यवहारिक कार्य : अजय

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि यह पूरी तरीके से अव्यवहारिक कार्य है। उन्होंने कहा कि वे समाज में भाईचारे की भावना को खराब करने का कार्य कर रहे हैं...इसको तत्काल निरस्त करना चाहिए।

राज्य सरकार ने भ्रम को दूर किया : नकवी

दूसरी ओर, इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, एक सीमित प्रशासनिक दिशानिर्देश के कारण इस तरह का असमंजस हुआ था, मुझे खुशी है कि राज्य सरकार ने जो भी सांप्रदायिक भ्रम पैदा हुआ था उसे दूर किया है। उन्होंने कहा कि मेरा यही कहना है कि इस तरह के विषयों पर किसी को सांप्रदायिक भ्रम फैलाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। यह किसी मुल्क, मजहब, मानवता के लिए अच्छा नहीं है। आस्था का सम्मान और आस्था की सुरक्षा पर सांप्रदायिक सियासत नहीं होनी चाहिए। कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश ''हड़बड़ी में गड़बड़ी वाली अस्पृश्यता की बीमारी'' को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा था, ...जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात। रैदास पूत सब प्रभु के, कोए नहिं जात कुजात।'' इस पर जब कुछ लोगों ने उन्हें 'ट्रोल' करने का प्रयास किया तो उन्होंने एक और पोस्ट किया, ''अरे ट्रोलर टट्टुओं...कांवड यात्रा के सम्मान, श्रद्धा का सर्टिफिकेट कम से कम मुझे तो मत बाटो, मेरा हमेशा मानना है कि कोई भी आस्था असहिष्णुता, अस्पृश्यता की बन्धक नहीं होनी चाहिए।

बिलकिस बानो केस में दोषियों को 'सुप्रीम' झटका

» अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिलकिस बानो मामले में दो दोषियों की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार किया है. सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि यह कैसे स्वीकार्य है? ये बिल्कुल गलत है। जनहित याचिका में हम अपील पर कैसे बैठ सकते हैं?

याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि जब तक कि उनकी सजा में छूट पर नया फैसला नहीं आ जाता, तब तक अंतरिम जमानत दी जाए। एडवोकेट ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि इस मामले में अब दो कोर्ट के फैसले हैं। अगर मुझे अथॉरिटी से संपर्क करने की अनुमति दी जाए। लेकिन जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि दूसरा फैसला मान्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में दोनों दोषियों की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। इसमें शीर्ष अदालत के जनवरी के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें सभी 11 दोषियों को दी गई छूट को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को गलत बताया है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार पर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते बिलकिस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और उनके सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देने के फैसले को रद्द कर दिया था।

चुनावी बॉन्ड की एसआईटी जांच पर फैसले की सुनवाई 22 जुलाई को

चुनावी बॉन्ड योजना मामले में एसआईटी जांच की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 22 जुलाई को चुनावी बॉन्ड योजना सुनवाई करेगा। प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये याचिकाएं 22 जुलाई के लिए लिस्ट की गई हैं। चुनावी बॉन्ड चंदे के माध्यम से कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच कथित क्विड प्रो क्यों यानी बदले में व्यवस्था की जांच के लिए एसआईटी के गठन की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। गैर सरकारी संगठन कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनावी बॉन्ड मामले में करोड़ों रुपये का घोटाला शामिल है, ?जिसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच के जरिए ही उजागर किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली एसआइटी से जांच की मांग की गई है।

राज्यपालों को आपराधिक अभियोजन से छूट देने वाले प्रावधान की समीक्षा की मांग, सुप्रीम कोर्ट बहस को तैयार

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को आपराधिक अभियोजन से छूट देने वाले संवैधानिक प्रावधान की समीक्षा करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जता दी है। संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को आपराधिक अभियोजन से छूट मिली हुई है। कोर्ट ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली महिला कर्मचारी की याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही कोर्ट मामले से निपटने में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि से सहयोग करने को कहा। कोर्ट ने बंगाल राजभवन की महिला कर्मचारी से कहा कि वह अपनी याचिका में केंद्र को भी पक्षकार बनाए। दरअसल, महिला ने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है।

यूपी उपचुनाव में भी भाजपा को चुनौती देंगे राहुल-अखिलेश!

मिलकर लड़ेंगी सपा-कांग्रेस, हरियाणा-महाराष्ट्र में भी दिखेगी जुगलबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा और कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव साथ में मिलकर लड़ा था। यह गठबंधन प्रदेश में होने वाले उपचुनावों में भी दिख सकता है। यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में कांटे की टक्कर रहेगी। सत्ताधारी भाजपा की ओर से जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमान संभाल ली है, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी यह चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने के संकेत दिए हैं।

सूत्र बताते हैं कि इसके एवज में कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सपा को सीटें देगी।

यूपी में लोकसभा की 37 सीटें जीतकर सपा देश में तीसरे नंबर की पार्टी बन गई है, पर अभी भी चुनाव आयोग में उसका दर्जा राज्य दल का ही है। आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए उसे अन्य राज्यों में विस्तार करना होगा। यही वजह है कि सपा और कांग्रेस नेतृत्व के बीच महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में सपा को सीटें देने पर सहमति बन गई है। यूपी समेत अन्य राज्यों के चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अखिलेश यादव के बीच ही होगी।

हाथरस हादसे के मृतकों के परिजनों को अखिलेश ने दिए 1.23 करोड़ रुपये

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हाथरस हादसे में मृत 123 लोगों के परिवारों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। दुर्घटना हाथरस में आयोजित सत्संग के दौरान मची भगदड़ से हुई थी। हादसे में मृतकों के परिजनों को सपा द्वारा सहयोग देने में सांसद रामजी लाल सुमन, अक्षय यादव, पूर्व एमएलसी जसवंत सिंह, पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक जफर आलम, वीरेश यादव, प्रदेश सचिव रामसहाय यादव, लोहिया वाहिनी अध्यक्ष राजकरन निर्मल, सांसद आदित्य यादव सांसद, विधायक इकबाल महमूद, राम खिलाडी सिंह यादव, बृजेश यादव, हिमांशु यादव, पिंकी सिंह यादव सहित सैकड़ों समाजवादी नेता हैं।

एकमत नहीं हैं राजस्थान और छत्तीसगढ़ के सीएम : गहलोत

» कोयले पर रार, पूर्व सीएम बोले- आदतन भ्रम फैला रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कोयले को लेकर राजस्थान सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच हुए कोयला आवंटन को लेकर बयानों का सिलसिला शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि यह बेहद ही आश्चर्यजनक है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बयानों में विरोधाभास है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल जी दावा करते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजस्थान के विद्युत गृहों के लिए कोयले की आपूर्ति हेतु हसदेव अरण्य कोल फील्ड में संचालित परसा इस्ट एवं कांता बासन (पीईकेबी) कोल ब्लॉक की 91.21 हेक्टेयर वनभूमि का उपयोग करने की अनुमति प्रदान कर दी है, पर आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि ऐसी कोई बात ही नहीं है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को इसकी सच्चाई बताई जानी चाहिए। क्या दोनों मुख्यमंत्रियों को अधिकारी इस मुद्दे पर गुमराह कर रहे हैं या दोनों मुख्यमंत्री मिलकर अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप जनता को गुमराह कर रहे हैं। बिजली जैसे जरूरी मुद्दे पर दोनों सरकारों को संवेदनशील होने की आवश्यकता है पर इस तरह की भ्रम फैलाने वाली राजनीति से किसका भला होगा?

जल्द समस्याओं का होगा निराकरण : हीरालाल नागर

जिसका जवाब देते हुए राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने लिखा कि पीईकेबी की 91 हेक्टेयर भूमि की साइट क्लीयरेंस अनुमति 12/12/23 को दी गई थी। इसमें से 26 हेक्टेयर भूमि 19/1/24 को तथा 30 हेक्टेयर भूमि 22/3/24 को राजस्थान सरकार को सौंप दी गई, जिससे प्रतिदिन नौ रेक कोयला मिल रहा है। इसके लिए हमने धन्यवाद व्यक्त किया था। शेष 34 हेक्टेयर के लिए भी क्लीयरेंस दे दी गई है तथा हमें आशा है कि यह जमीन भी जल्दी ही प्राप्त हो जाएगी। कुछ बिंदु जो अभी भी लंबित हैं और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री उनके बयान में इन्हीं अनुरोधों के पूर्ण न होने की ओर इशारा कर रहे थे।

झूठ फैला रहे नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर : धनीराम

» बोले- हिमाचल में शगुन योजना बंद नहीं, बीजेपी के आरोप आधारहीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार महिला कल्याण की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के लोगों को भ्रमित करने के प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में जयराम ठाकुर ने बेटियों की शादी के लिए प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही शगुन योजना पर टिप्पणी की है और आधारहीन दावा किया है कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस योजना के तहत बेटियों को शादी पर शगुन के तौर पर दी जा रही राशि को बंद कर दिया है। मंत्री धनीराम शांडिल ने कहा कि यह आरोप निराधार और

सरासर झूठ हैं। प्रदेश सरकार ने शगुन योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-2024 में 18.95 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया था जिसमें से 14.45 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है। इस धनराशि से प्रदेश की कुल 4,662 बेटियां लाभान्वित हुई हैं।

इस योजना के तहत बेटियों को विवाह पर सरकार की ओर से 31 हजार रुपये शगुन के रूप में दिए जाते हैं। इस वित्त वर्ष में शगुन योजना के तहत 30.40 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 करोड़ रुपये अधिक है।

बिहार में अपराध को लेकर वार-पलटवार

पुलिस ने जारी किया लालू-राबड़ी राज से अब तक की हत्याओं का रिकॉर्ड, सत्तापक्ष ने राजद को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बढ़ते अपराध को लेकर एक ओर विपक्ष लगातार बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोल रही है। तेजस्वी यादव लगातार क्राइम बुलेटिन जारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं महागठबंधन ने 20 जुलाई को पूरे बिहार में प्रदर्शन का एलान कर दिया है। विपक्ष के नेता लगातार कह रहे हैं नीतीश सरकार क्राइम कंट्रोल नहीं कर पा रही है।

एक दिन पहले राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने 1990 से 2005 के काल को नीतीश सरकार के शासनकाल से बेहतर बता दिया थ। इन सब के बीच अब बिहार पुलिस मुख्यालय ने एक डाटा जारी किया है। इसमें दावा किया है कि नीतीश सरकार में अपराध कम हुए हैं। नीतीश सरकार के निर्देश पर बिहार पुलिस ने 2001 से 2023 तक वर्षवार हत्याओं की संख्या बताते हुए कहा है कि जनसंख्या बढ़ने के बावजूद घटनाएं कम हो रहीं।

अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जेएस गंगवार ने कहा कि राज्य में 2023 में पिछले 24 वर्षों में हत्या की दर सबसे कम रही। उन्होंने वर्ष 2001 से 2023 तक प्रतिवेदित हत्या कांडों की विवरणी जारी की। कहा कि पिछले 6 वर्षों (2018 से 2023) में कोरोना वर्ष 2021 छोड़कर सबसे कम हत्या के कांड वर्ष 2023 में प्रतिवेदित हुए। पिछले 24 वर्षों में चौथा सबसे कम हत्या के कांड वर्ष 2023 में प्रतिवेदित हुए जबकि राज्य की जनसंख्या 8.3 करोड़ से बढ़कर 13.07 करोड़ हो गयी है।

जीतन सहनी का हत्यारा लालू के ही परिवार का : सम्राट चौधरी

बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव या उनके परिवार को अपराध पर बोलने का हक ही नहीं है। लालू प्रसाद यादव तो मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठकर संगठित अपराध का संचालन करते थे। इस समय बिहार में अपराध पर वह बोल रहे हैं या उनके परिवार के लोग बोल रहे हैं, लेकिन देखिए कि पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता का हत्यारा कौन निकला? हत्या करने वाला उनके ही परिवार का निकला। सम्राट चौधरी गुरुवार को बिहार भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति के दौरान भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कुछ लोग बोलते हैं कि कानून का राज खत्म हो रहा है। अरे, उनको तो नैतिक अधिकार ही नहीं है। लालू जी या लालू जी के परिवार को बोलने का अधिकार है? क्या अधिकार है? लालू जी तो वैसे नेता हैं, जो मुख्यमंत्री रहते हुए अपने मुख्यमंत्री कार्यालय से पूरे प्रदेश में ऑर्गेनाइज्ड क्राइम करने का काम करते थे।

बिहार में शासन प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं : उदय नारायण

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी सहित कई नेताओं ने मुकेश सहनी के पैतृक आवास पहुंचकर मुलाकात कर नीतीश सरकार पर जमकर निशाने पर लिया। उदय नारायण चौधरी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ से शासन व्यवस्था फिसल रही है। आए दिन कुछ न कुछ आपराधिक घटनाएं घट रही हैं। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। ये लोग पहले हम लोग पर जंगल राज का आरोप लगाते थे। अब क्यों नहीं कुछ बोल रहे हैं? मुकेश सहनी के पिता की जिस प्रकार निर्मम हत्या की गई है, उसकी व्याख्या ही नहीं की जा सकती है। शासन प्रशासन में भय नाम की कोई चीज नहीं है।

बीजेपी सांसद के चुनाव को रद्द करने के लिए याचिका दाखिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के एक सांसद के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में मांग की गई है कि चुनाव रद्द किया जाए। भदोही लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी रहे ललितेश पति त्रिपाठी ने याचिका दाखिल की है।

उन्होंने मांग की है कि बीजेपी सांसद का निर्वाचन अमान्य किया जाए। इस संदर्भ में सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने जानकारी दी है, उन्होंने लिखा कि किसी अन्य दल का सदस्य रहते हुए भाजपा के चुनाव चिन्ह पर 78-भदोही लोकसभा से उम्मीदवार बन कर डॉ विनोद कुमार बिंद ने संविधान की 10वीं अनुसूची एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के नियमों का उल्लंघन किया है। त्रिपाठी ने लिखा कि इसी आधार पर आज मैंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नियमों के अनुसार रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष एक चुनाव याचिका प्रस्तुत कर यह मांग की है कि 78-भदोही लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद के रूप में डॉ विनोद कुमार बिंद का निर्वाचन अमान्य घोषित किया जाए।

टीएमसी नेता ललितेश त्रिपाठी पहुंचे हाईकोर्ट

विवादों में एनडीए सरकार, चौतरफा वार

नीट, आंतकी हमले पर विपक्ष का आक्रामक रुख

» यूपी में बीजेपी की रस्साकशी पर भी सपा का तंज

» ट्रंप पर हमले के बहाने भाजपा ने विपक्ष को घेरा

» यूपी के पूर्व डीजीपी के लेख पर चर्चा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे एनडीए सरकार का कार्यकाल आगे बढ़ रहा है विपक्ष व भाजपा में एक दूसरे पर वार-पलटवार जारी है। नीट पेपर लीक, आतंकी हमले जैसे विवादित मुद्दे के बाद यूपी बीजेपी की कलह भी चर्चा में हैं। उधर ट्रंप पर हमले का जिक्र कर भाजपा ने पीएम मोदी पर आक्रामक टिप्पणियों का मुद्दा उठाकर विपक्ष पर निशाना साधा है। उधर नए अपराधिक कानूनों पर भी सियासी बवाल मचा है।

बंगाल की सरकार ने इस पर जांच बैठा दी है। रविशंकर ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई बार राहुल गांधी भी गैर जिम्मेदाराना बयान दे देते हैं। लोकतंत्र में आपको असहमति का अधिकार है, लेकिन इतनी मर्यादा होनी चाहिए कि हिंसा में किसी राजनेता को निशाना न बनाया जाए। दरअसल, अमेरिका में पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हमला किया गया। इस हमले में वह बाल-बाल बच गए। ट्रंप पर किए गए हत्या के प्रयास की भारत में भी निंदा की गई। ट्रंप पर हुए इस हमले के बाद भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए आक्रमक टिप्पियों का मुद्दा उठाया।

भाजपा नेता ने रविशंकर ने कहा,उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने एक अखबार में लेख लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि जिस तरह से भारत के पीएम मोदी पर निशाना साधा गया है, उससे उन पर हिंसा बढ़ सकती है। रविशंकर ने कहा, इसका सबूत भी है। 2013 में पटना में उनपर हमला हुआ था, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी। जब वह पंजाब गए, तब उनका रास्ता बदल दिया गया। इस दौरान रविशंकर ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई बार राहुल गांधी भी गैर जिम्मेदाराना बयान दे देते हैं। लोकतंत्र में आपको असहमति का अधिकार है, लेकिन इतनी मर्यादा होनी चाहिए कि हिंसा में किसी राजनेता को निशाना न बनाया जाए।

असहमति, में हिंसा होना सही नहीं है : प्रसाद

भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। यहां असहमति का अधिकार है, लेकिन ऐसी असहमति, जिससे हिंसा हो यह सही नहीं है। इसी के साथ विपक्ष पर भी निशाना साधा गया। रविशंकर प्रसाद ने डोनाल्ड ट्रंप पर हुए इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया गया। भगवान की कृपा से वह सुरक्षित हैं और अपराधी के खिलाफ कार्रवाई की गई। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। यहां असहमति का अधिकार है, लेकिन ऐसी असहमति जिससे हिंसा हो और राजनेताओं को निशाना बनाया जाए, यह सही नहीं।

सुधांशु त्रिवेदी ने भी विपक्ष को घेरा

यूपी के पूर्व डीजीपी के लेख पर भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,आज देश के एक अंग्रेजी अखबार में एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने लेख लिखा है। लेख में उन्होंने सुरक्षा से जुड़ी वर्तमान वैश्विक गतिविधियों और उनके भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित किया है। आप जानते हैं कि एक-डेढ़ साल पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक राजनीतिक कार्यक्रम में हत्या कर दी गई थी। कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हत्या का प्रयास किया गया था, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, उन्होंने (विक्रम सिंह) कहा कि हिंसा और हत्या को भड़काने वाली ऐसी प्रवृत्तियां ऐसे बयानों से प्रेरित होती हैं, जिसमें राजनीतिक दल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए हिंसा और हत्या जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय है कि हिंसा के लिए उकसाने वाले ऐसे शब्द और भाषा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कई बार पीएम मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। अगर आप लोकसभा में विपक्ष के नेता बन गए हैं, तो थोड़ी परिपक्वता दिखाएं। इसलिए, मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करना चाहूंगा कि हिंसा, हत्या, किसी के प्रति आक्रमण, मारना-पीटना और कब्र खुदेगी जैसे शब्दों का इस्तेमाल बंद होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले पर सीसीएस की बैठक

कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति सीसीएस की बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक बैठक में देश के ताज़ा सुरक्षा हालातों पर चर्चा की गई है। साथ ही जम्मू में पिछले कुछ वक्त में बढ़ते हुए आंतकी हमलों को लेकर भी इस बैठक में चर्चा की गई है । बता दें कि चुनावों के बाद से ही जम्मू-कश्मीर में आंतकवादी गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं केवल जुलाई में ही अब तक ई आंतकी हमले हो चुके हैं, जिसकी वजह से राज्य की सुरक्षा अहम मुद्दा बना हुआ है सेना के जवानों द्वारा नियमित रूप से घाटी में आंतकवादियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन अभी तक जवानों को कुछ खास सलफता नहीं मिल पाई है। ऐसे में माना जा रहा है कि बैठक में मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई है. हालांकि, अभी तक बैठक में हुई चर्चा को लेकर अधिक जानकारी नहीं मिल पाई है।

नए आपराधिक कानूनों पर ममता सरकार व राज्यपाल में ठनी

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला पैनल जारी अधिसूचना की तारीख से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक राज्य के भीतर एक राज्य नहीं हो सकता है या उसे बनाना रिपब्लिक में तब्दील नहीं किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से 1 जुलाई को लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के लिए सात सदस्यीय समिति के उद्देश्यों पर तत्काल रिपोर्ट देने का आग्रह किया है। इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य को बनाना रिपब्लिक में नहीं बदला जा सकता। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाला पैनल जारी अधिसूचना की तारीख से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक राज्य के भीतर एक राज्य नहीं हो सकता है या उसे बनाना रिपब्लिक में तब्दील नहीं किया जा सकता है। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि समिति के पास विषय वस्तु पर उनके विचार जानने के लिए अकादमिक विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, अनुसंधान सहायकों और अन्य कानूनी विशेषज्ञों को शामिल करने की शक्ति होगी। इसमें सार्वजनिक परामर्श करने की भी शक्ति होगी। एक अधिकारी ने बताया कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशिम कुमार रॉय की अध्यक्षता वाले पैनल में राज्य के कानून मंत्री मलय घटक और वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य भी शामिल हैं। तीन नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (बीएसए) - ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और साक्ष्य अधिनियम के औपनिवेशिक युग के कानूनों को प्रतिस्थापित कर दिया। 21 जून को बनर्जी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को स्थगित करने का आग्रह किया। उन्होंने नए कानूनों पर संसद में आगे चर्चा की भी मांग की थी।

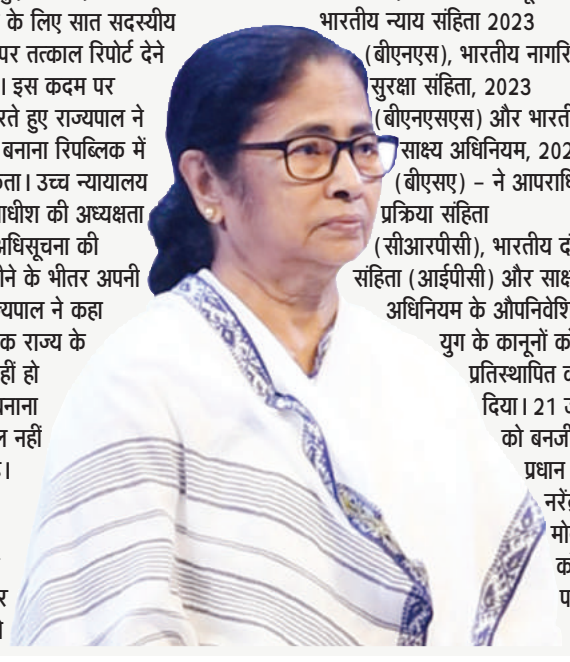

बंगाल में लोकतंत्र मर चुका : सुवेंदु

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है। हमने आज एक जन आंदोलन शुरू किया है। लगभग 50 लाख हिंदुओं को लोकसभा चुनाव में वोट देने की अनुमति नहीं दी गई थी। राज्य में हुए 4 उपचुनावों में 2 लाख से अधिक हिंदुओं को वोट देने की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि मैं एक पोर्टल लॉन्च कर रहा हूं। जिसे भी वोट देने की इजाजत नहीं है, वह अपना पंजीकरण करा सकता है और पूरी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। भाजपा नेता ने चुनाव बाद झड़पों के खिलाफ राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा और सभी चार सीटें जीत लीं, जिनमें से तीन पहले उसकी प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास थीं। टीएमसी ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल की 42 में से 29 सीटें जीती थीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी ने चार सीटों में से तीन सीटें फिर से जीत ली हैं, जो पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास थीं। और पहले से टीएमसी के पास मौजूद एक सीट बरकरार रखी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फिर एक रेल हादसा कौन लेगा जिम्मेदारी!

यात्रा के लिए सबसे सुगम और सुरक्षित साधनों में भारतीय रेलवे पहले स्थान पर आती है। लेकिन कई बार कुछ हादसे होते हैं, जिनमें भारी जनहानि का परिणाम देखने को मिलता है और पूरा देश हिल जाता है। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को घटित हुई। यहां चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की पांच बोगियां पलट गईं।

फिर एक रेल हादसा हो गया। इसबार यूपी के गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतर गए जिसे तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे ने एकबार फिर रेलवे पर सवालिया निशान लगा दिया है। इस हादसे के बाद सरकार पर विपक्ष हमलावर हो गया है। लोग तो यह तक कहने लगे हैं रेलवे की सुरक्षा में गंभीरता नहीं दिखा जा रही है। कवच प्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है। आखिर इस प्रणाली के बारे में कहा गया था कि यह दुर्घटनों को कम करेगा पर पिछले एक साल से जिस तरह से रेलागाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो रही हें उससे इस प्रणली पर पुर्नविचार करने की आवश्यकता महसूस की जानी चाहिए। यात्रा के लिए सबसे सुगम और सुरक्षित साधनों में भारतीय रेलवे पहले स्थान पर आती है। लेकिन कई बार कुछ हादसे होते हैं, जिनमें भारी जनहानि का परिणाम देखने को मिलता है और पूरा देश हिल जाता है। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को घटित हुई। यहां चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की पांच बोगियां पलट गईं।

हादसा गोंडा-गोरखपुर रेलमार्ग पर मोतीगंज के पिकौरा गांव के पास हुआ, जिसमें तीन लोगों से अधिक के मरने की सूचना मिली है। दुर्घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। रेल यात्रियों की मदद और अन्य जानकारी के लिए रेलवे की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य करने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। मैं प्रभु श्री राम से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस समय मुंबई में हैं। वह मुंबई से बचाव अभियान पर नजर रख रहे हैं। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी रेल भवन के वॉर रूम में रेलवे बोर्ड के सीईओ के साथ बैठकर घटनाक्रम की जानकारी ले रहे हैं। 13 ट्रेनें भी प्रभावित हैं। हालांकि, यह कोई पहला हादसा नहीं है, इससे पहले भी कई हादसे ऐसे भी हो चुके हैं, जिनमें भारी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है। इस आर्टिकल में हम आपको उन हादसों के बारे में बताएंगे, जो दिल दहलाने वाले थे। 16 फरवरी 2023 में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 16 फरवरी 2023 को बड़ा रेल हादसा हुआ था। यहां दो मालगाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रेल डिब्बे के परखच्चे उड़ गए और कई डिब्बे पटरी से उतर गए थे। 26 मई 2014 को गोरखधाम सुपरफास्ट ट्रेन चुरेब स्टेशन के सिग्नल आउटर पर हादसे का शिकार हो गई थी। इस हादसे में एक माह की बच्ची सहित कुल 32 लोगों की जान गई थी। चालक दल के दो लोगों की भी मौत हुई थी। हादसे में कुल 158 लोग घायल भी हुए थे। सरकारों को गंभीर होना पड़ेगा। सिर्फ जांच की कमेटी बनाकर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर लेना ठीक नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी से क्षेत्रीय संतुलन

के.एस. तोमर

वर्ष 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद, पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने रूस को वित्तीय संकट में डाल दिया था। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस से 65 अरब डॉलर के लगभग तेल आयात किया जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। इस निर्णय के पीछे एक सामर्थ्यपूर्ण कारण यह रहा कि भारत ने अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों से बचने का प्रयास किया। इस तरह के गठबंधन और व्यापारिक संबंधों के माध्यम से भारत ने रूस को अपने वित्तीय संकट से उभारने में मदद की।

यद्यपि भारत और अमेरिका के मध्य संबंध काफी सौहार्दपूर्ण रहे हैं लेकिन रूस से तेल आयात के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। इस बीच, अमेरिका को कमतर दिखाने के लिए चीन और रूस ने अत्यंत प्रभावी संबंध बना लिए थे। वहीं राष्ट्रपति पुतिन द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू प्रदान करके रूस ने भारत के साथ अपने पुराने संबंधों को नई गति प्रदान की है। नौ जुलाई को क्रेमलिन में सम्मान प्रदान करते हुए दोनों देशों में संबंधों को मजबूत करने के मोदी के प्रयासों की भी सराहना की गई। अमेरिका द्वारा आपत्ति दर्ज करते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारत अपना रुख स्पष्ट करे क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुसार यूक्रेन की संप्रभुता को बनाए रखने की सभी की जिम्मेवारी है। इसके साथ ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि सभी देशों का दायित्व है कि रूस की आक्रामक नीति और युक्रेन की जमीन से हमलावरों को खदेड़ने में भारत उसका साथ दे और शांति के लिए पहल करे ताकि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परिस्थितियों में मोदी की मॉस्को यात्रा को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। सभी एकमत हैं कि भारत जहां एक ओर चीन का प्रभाव कम करने में सफल रहा, वहीं आर्थिक और कूटनीतिक दृष्टि से भी फायदे में रहा है।

भारत की नीति ही चीन के विश्वस्तर पर बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम है। रूस के साथ पुराने संबंधों को नई दिशा देकर प्रधानमंत्री मोदी ने अच्छी पहल की है। इस यात्रा का सबसे अहम उद्देश्य यह रहा कि

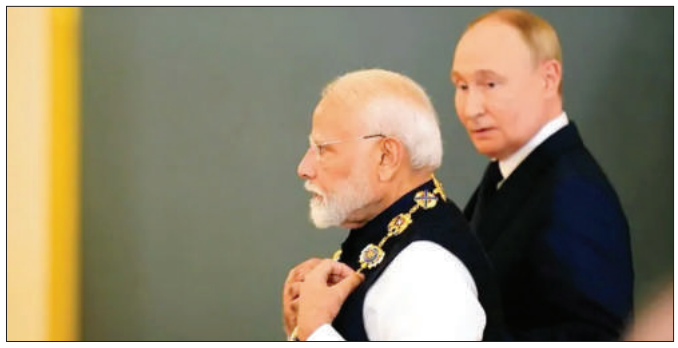

चीन की बढ़ती आक्रामक नीतियों के मुकाबले ऐसी व्यवस्था को बल दिया जाये, जिससे आपसी हितों की रक्षा की जा सके। इस प्रकार के संबंधों से चीन या अन्य किसी भी राष्ट्र द्वारा आधिपत्य की कुचेष्टा को रोका जा सकेगा। मोदी की मॉस्को यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारत और रूस के रक्षा संबंधों को नई ताकत देना था। जहां इन संबंधों को लेकर इस दिशा में अच्छी पहल हुई, वहीं एस 400 मिसाइल सुरक्षा प्रणाली और भविष्य में सामरिक सुरक्षा तकनीक में सहयोग पर भी चर्चा हुई। इन संबंधों का सीधा लाभ भारत की युद्धशक्ति में बढ़ोतरी के अलावा दक्षिण एशिया क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन बनाए में होगा। अपने अपार तेल और गैस भंडारों के कारण रूस का अपना महत्व है जो भारत के दृष्टिकोण से अहम है। मोदी की इस यात्रा के दौरान लंबी अवधि के लिए सप्लाई के समझौते और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश पर भी बातचीत हुई। इसके अलावा परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग भी वार्ता का हिस्सा रहा। इन समझौतों का यह लाभ होगा कि भारत को भविष्य में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी, जिससे देश का आर्थिक विकास तेज होगा। रूस के साथ आपसी बातचीत में प्रधानमंत्री का ध्यान व्यापार को सुदृढ़ करने और पूंजी निवेश को बढ़ावा देना भी विशेष था। इस यात्रा का उद्देश्य था कि ऐसे नये क्षेत्र तलाशे जाएं ताकि व्यापारिक संबंध और बढ़ें। इनमें दवा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और कृषि महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में व्यापारिक संबंधों को सुधारने और विभिन्न स्तरों पर पेश आ रही रुकावटों को दूर करने पर भी चर्चा हुई ताकि निवेश बढ़े और इसका लाभ दोनों देशों को मिल सके।

आज के उलझे हुए अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रधानमंत्री की इस यात्रा का मकसद रूस के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करना था। आज जब अमेरिका और पश्चिमी देश अपने हितों की रक्षा के लिए अन्य राष्ट्रों की अनदेखी करके उन पर अपनी मर्जी थोपने का प्रयास कर रहे हैं, रूस से संबंधों में सुधार भारत की विदेश नीति में नया संतुलन लायेगा। रूस के साथ नए सुधरे हुए संबंध अन्य देशों को यह संदेश देने में सफल रहे हैं कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र और बहुआयामी है। इस यात्रा का यह भी लाभ रहा कि भविष्य में संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संस्थान जैसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत और रूस एक-दूसरे के सहयोग के कारण अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकेंगे जिससे विश्व के देशों में व्याप्त आर्थिक विसंगतियों को दूर किया जा सकेगा।

संविधान में वर्णित मूल्यों के प्रति ईमानदारी जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

पता नहीं देश में कितने लोग यह जानते-समझते हैं कि विभाजन विभीषिका का दिवस क्या है, पर यह बात अपने आप में दिलासा देने वाली है कि आजादी पाने और देश के विभाजन के 77 साल बाद हम उस विभाजन की विभीषिका को याद कर रहे हैं। उसी तरह अब हमारी सरकार ने एक और दिन को याद रखने का उपक्रम किया है- 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके हमारे जनतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जोड़ा गया था। कारण कुछ भी बताये गये हों, पर देश को बहुत जल्दी ही यह अहसास हो गया था कि उस आपातकाल की घोषणा उन सारे मूल्यों को नकारने वाली थी जिनके आधार पर हमारे संविधान-निर्माताओं ने हमें एक जनतांत्रिक संविधान दिया था। हालांकि दो साल बाद यह आपातकाल उठा लिया गया था और एक बार फिर देश खुली हवा में सांस लेने लगा था, लेकिन यह जरूरी है कि उस दिन को भूला न जाये जिस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने शासन के सारे अधिकार अपने हाथ में लेकर एक तानाशाही व्यवस्था को देश के ऊपर लाद दिया था। न भूलने का कारण यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक तानाशाही को लादने की कोशिश न करे।

बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे। उन्होंने अपनी इस गलती के लिए खेद भी जताया था। बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती सोनिया गांधी ने भी इस क्षमा को दुहराया था और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी दादी द्वारा उठाये गये उस कदम को 'बिल्कुल गलत' बताया है। इस सब को याद करने का अर्थ यह है कि अब उस आपातकाल के लिए किसी को दोषी ठहराकर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करना बेमानी है।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत हर भारतीय को अब इस बात के लिए जागरूक रहना है कि फिर कभी ऐसी स्थितियां न बन सकें, फिर कोई शासक दुस्साहस न करे कि आपातकाल जैसा कुछ हमारे जनतांत्रिक देश में सिर उठा सके। इसके लिए जरूरी है आपातकाल को याद रखा जाये। इसीलिए हर 25 जून को देश के जागरूक नागरिक आपातकाल को याद करते हैं। यही तर्क विभाजन की विभीषिका को याद करने के संदर्भ में भी लागू किया जा सकता है। याद रखा जाना चाहिए उस विभीषिका को याद रखने का मतलब यह है कि हम उन स्थितियों के प्रति सावधान रहें जिनके चलते देश ने विभाजन की विभीषिका को सहा था। हमारी सरकार ने इसी उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस अर्थात् 15 अगस्त से एक दिन पहले विभाजन विभीषिका का दिवस मनाने की घोषणा कर दी थी। अब यदि इसमें सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक स्वार्थों की गंध आती है तो उसे भी बेबुनियाद नहीं कहा जा सकता।

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब ही यह है कि हम अपनी गुलामी से जुड़ी यादों को ताजा करके संकल्पित हों कि अब हमारा देश कभी गुलाम नहीं बनेगा, हम उन ताकतों को सिर नहीं उठाने देंगे जो धर्म और जाति के नाम पर देश को, समाज को, बांटने की नापाक कोशिश करेंगी। अब हमारी सरकार ने एक और दिवस मनाने की घोषणा कर दी है। राजपत्र में बाकायदा कहा गया है कि जिस दिन आपातकाल घोषित किया गया था यानी 25 जून को देश के संविधान की हत्या दिवस रूप में मनायेगा। यह सही है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके संविधान के आधार पर चोट की गयी थी, पर यह भी सही है कि दो साल बाद ही, यानी 1977 में जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने ऐसी व्यवस्था को देश में फिर से लागू कर दिया था। जिसमें कोई शासक आपातकाल जैसी कार्रवाई न कर सके। आवश्यकता इस तथ्य को रेखांकित करने की है कि हमारे देश में वह ताकत है जो आपातकाल जैसी स्थितियों को बदल सकती है। इसके लिए संविधान की हत्या जैसे अध्याय को नहीं, संविधान की रक्षा कर पाने के अध्याय को याद रखना जरूरी है। तब जयप्रकाश नारायण ने 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' का जयघोष दिया था।

आपातकाल की घोषणा तानाशाही की 'विजय' थी तो देश में फिर से चुनाव होना जनतांत्रिक ताकतों की विजय की गाथा के रूप में याद किये जाने का अध्याय है। यह अध्याय देश की जनता को जगाने का भी था और यह बतलाने वाला भी कि तानाशाही इस देश के डीएनए में नहीं है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के चार स्तंभों पर खड़ा हमारे संविधान का यह महल जनतंत्र में हमारी गहरी आस्था का प्रतीक है। आज जनतंत्र की कथित हत्या की याद नहीं, जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को अपने भीतर जिलाये रखने की आवश्यकता है। हाल ही में हुए आम चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाया था। आरोप यह था कि भारतीय जनता पार्टी हमारे संविधान के बुनियादी मुद्दों को बदलना चाहती है। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मतदाता को इस आरोप में कुछ सचाई लगी और उसने अपने वोट की ताकत से यह स्पष्ट कर दिया कि जनतांत्रिक मूल्यों में इस देश की निष्ठा बहुत गहरी है। आज देश में स्थिति यह बनी है कि कोई भी राजनीतिक दल या गठबंधन अपनी मनमानी से हमारे संविधान के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता।

चीजी पनीर कटलेट

हर कोई खाकर करेगा तारीफ

आजकल बच्चों के स्कूल खुल गये हैं, ऐसे में वो लंच में कुछ खास चीज मांगते रहते हैं। वैसे तो स्नैक्स के लिए आपको बाजार में भी कई रेडी टू मेक आइटम मिल जाते हैं, लेकिन अगर आप अपने बच्चे को बाहर के स्नैक्स नहीं देना चाहती है तो आप चीजी पनीर कटलेट ट्राई कर सकते हैं, जिसे बनाना भी काफी आसान है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। बच्चों के साथ-साथ आप अपने घर के बड़ों को भी ये स्नैक्स परोस सकती हैं। इसे जो भी खाएगा वो आपकी तारीफ किए बिना रह नहीं पाएगा।

सामान

पनीर-200 ग्राम, आलू- 2 मध्यम, चीज- 50 ग्राम, हरी मिर्च- 2, हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच, जीरा पाउडर- 1/2 चम्मच, गरम मसाला- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, नमक- स्वादानुसार, ब्रेड क्रम्ब्स- 1 कप, कॉर्नफ्लोर- 2 बड़े चम्मच, पानी- 1/4 कप, तेल।

विधि

पनीर चीज कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में कद्दूकस किया हुआ पनीर, मसले हुए आलू, कद्दूकस किया हुआ चीज़, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, जीरा पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। अब सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि एक समान मिश्रण तैयार हो जाए। मिश्रण से छोटे-छोटे बॉल्स बनाएं और उन्हें चपटे कटलेट के आकार में दबाएं। सभी कटलेट्स को एक प्लेट में रखें। अब एक अलग गहरी प्लेट में कॉर्नफ्लोर और पानी मिलाकर पतला बैटर तैयार करें। इसके बाद हर कटलेट को पहले कॉर्नफ्लोर बैटर में डुबोएं, फिर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें ताकि कटलेट्स पर एक समान कोटिंग हो जाए। जब सभी कटलेट तैयार हो जाएं तो इसे गर्म तेल की कढ़ाई में सुनहरा होने तक तलें। गर्मागर्म चीजी पनीर कटलेट को हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें।

बच्चों को खिलाएं लौकी डोसा

जब भी हम कुछ बनाते हैं तो ये कोशिश करते हैं कि घर के बड़े से लेकर बच्चे तक से काफी चाव से खाएं। बड़े तो सब कुछ खा लेते हैं लेकिन बच्चों को कुछ भी खिलाने में काफी परेशानी होती है। बच्चे चाहे कितनी बड़े हो जाएं लेकिन खाने को लेकर इनके नखरे हमेशा होते हैं। खासकर जब बात आती है सब्जी खाने की तो बच्चे इससे दूर भागते हैं। अगर उनके मन की सब्जी बनी हो तब तो ठीक है लेकिन लौकी और तोरई जैसी सब्जी तो शायद ही किसी बच्चे को पसंद होगी। इन्हीं नखरों को देखते हुए आप लौकी का डोसा बना सकते हैं। जिसे खाकर आपके बच्चे भी खुश हो जाएंगे और उन्हें पता भी नहीं लगेगा कि ये डिश लौकी से बनी है।

सामग्री

लौकी- 1 मीडियम साइज, छीलकर और कद्दूकस कर ली गई, चावल का आटा-1 कप, सूजी- 1/4 कप, दही- 1/2 कप, नींबू और धनिया- हरा मिर्च-1 बारीक कटा हुआ, हरा धनिया- 2 टेबलस्पून कटा हुआ, हल्दी पाउडर-1/4 छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, नमक- स्वाद के अनुसार, तेल- डोसा बनाने के लिए, पानी- जरूरत के हिसाब से।

विधि

सबसे पहले लौकी को छीलकर और कद्दूकस कर लीजिए। अगर लौकी में ज्यादा पानी है, तो थोड़ा सा प्रेस करके पानी निकाल दीजिए। अब एक बड़े बाउल में कद्दूकस की हुई लौकी, चावल का आटा, सूजी, दही, हरी मिर्च, हरा धनिया, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और नमक को मिलाकर अच्छे से मिलाइए। इसके बाद इस बैटर में थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर इसे तैयार करें। बैटर को रेस्ट करने के लिए 15-20 मिनट तक छोड़ दीजिए। इसके बाद एक नॉनस्टिक डोसा तवा को मध्यम आंच पर गरम करें और उसे थोड़ा-थोड़ा करके तेल से लगाइए। अब तवे पर इस बैटर से डोसा बनाएं। वह सुनहरा और कुरकुरा हो जाए, तो उसे पलट दीजिए और दूसरी ओर से भी सेक लें। जब ये सही से सुनहरा हो जाए तो डोसा से उतार लें। अब इसे सर्विंग प्लेट पर निकालें और टमाटर की चटनी या नारियल की चटनी के साथ परोसें।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पड़ोसी- यार तेरे घर से रोज हंसी की आवाज आती है। इस खुशहाल जिंदगी का राज क्या है? पप्पू - वो क्या है ना कि मेरी बीवी रोज मुझे जूतों से मारती है, लग जाए तो वो हंसती है और ना लगे तो मैं हंसता हूं! बस ऐसे ही हंसी-खुशी जिंदगी गुजर रही है...!!! पड़ोसी बेहोश...

पप्पू- भाई तुम्हारे हाथ-पैर कैसे टूट गए? गप्पू- लड़की का फोन रिचार्ज कराने के चक्कर में... पप्पू- क्यों भाई? रिचार्ज के पैसे नहीं दिए क्या? गप्पू- अरे भाई जिस दुकान पे रिचार्ज कराने गया था, वो दुकानदार, लड़की का भाई निकला!

लड़का-लड़की होटल में गए... वेटर- मैम आप क्या लेंगी? लड़की- मिर्च वाला, घेवर! वेटर- क्या? लड़की- बोला न मिर्च वाला घेवर! वेटर (हैरानी से) - क्या? लड़का- अरे भाई गांव की है, तू टेंशन मत ले, पिज्जा मांग रही है!

कहानी — सत्कर्मों में सदैव आस्था रखें

बहुत पहले की बात है एक नदी के तट पर एक शिव मंदिर था, एक पंडितजी और एक चोर प्रतिदिन अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप मंदिर आया करते थे। जहां पंडितजी फल फूल, दूध चंदन आदि से प्रतिदिन शिवजी की पूजा करते। वहीं वह चोर रोज भगवान को खरी-खोटी सुनाता और अपने भाग्य को कोसता रहता। एक दिन पंडितजी और चोर एक साथ मंदिर से बाहर निकले। निकलते ही चोर को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक थैली मिल गयी। जबकि ठीक उसी समय पंडितजी के पैर में एक कील घुस गई। चोर स्वर्ण मुद्राओं से भरे थैले को पाकर अत्यंत प्रसन्न था। जबकि पंडितजी पीड़ा से परेशान थे, लेकिन पंडितजी को कील की पीड़ा से अधिक इस बात का कष्ट था कि मेरे पूजा पाठ करने के बाद भी बदले में भगवान ने मुझे कष्ट दिया। जबकि इस चोर के कुकर्मों के बदले में उसे स्वर्णमुद्राओं के रूप में पुरस्कार मिला। तब मंदिर से आवाज आई- हे पंडित! आज तुम्हारे साथ एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। लेकिन तुम्हारे सत्कर्मों के कारण तुम केवल कील लगने की पीड़ा पाकर ही मुक्त हो गए। जबकि इस चोर के भाग्य में आज अपार धन संपत्ति प्राप्ति का योग था। लेकिन अपने कुकर्मों के कारण उसे केवल कुछ मुद्राएं ही मिली हैं। अच्छे कर्म से ही मनुष्य का भविष्य एवं भाग्य बनता बिगड़ता है। इसलिए सदैव सत्कर्मों में आस्था बनाये रखना चाहिए। कुकर्मों से सिर्फ नुकसान ही होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

वृषभ — प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मिथुन — प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क — शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह — आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कन्या — घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु — कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ — व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

मीन — भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

बॉलीवुड | मसाला

अब उम्र के हिसाब से किरदार चुनेंगी तब्बू

52 साल की हो चुकी तब्बू फिल्म इंडस्ट्री पर 30 साल से राज कर रही हैं. उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 1985 में आई फिल्म 'हम नौजवान' में काम किया था, जिसमें उन्होंने देव आनंद की बेटी का किरदार निभाया था। हीरोइन के तौर पर तेलुगू में आई फिल्म 'कुली नंबर 1' उनकी पहली फिल्म थी। इस फिल्म में उन्होंने वेंकटेश दग्गुबती के अपोजिट काम किया था। आज से करीब 30 पहले बॉक्स ऑफिस रिलीज हुई फिल्साल 1994 में आई फिल्म 'विजयपथ' उनकी पहली हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अजय देवगन संग बनी थी। इस फिल्म में दोनों की केमेस्ट्री की काफी पसंद की गई थी। उन्होंने फिल्म में करियर के सलेक्शन और उम्र को लेकर भी बात की।

तब्बू का कहना है कि अब वह उम्र के हिसाब से किरदारों चुनना पसंद करेंगी। उन्होंने महसूस किया कि बड़ी उम्र के कलाकारों ने स्क्रीन पर युवा किरदार निभाना शुरू कर दिया। तब्बू ने कहा कि पहले जब उम्र कम होने का कॉन्सेप्ट नहीं था, तब अलग-अलग अभिनेता हीरो का युवा किरदार निभाते थे।तब्बू अभिनेताओं के विपरीत अब स्क्रीन पर एक यंग महिला की भूमिका नहीं निभाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस तरह के किरदार ऑफर हुए, तो वो इसे नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह अब 30 साल की लड़की भूमिका निभाने के लिए तैयार होंगी।

तब्बू ने स्पष्टरूप से कहा कि उनके पास अपनी उम्र को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वह इसी में खुश हैं और ऐसे ही किरदार चुनेंगी जो उनके उम्र के हिसाब से सटीक बैठे। तब्बू का मानना है कि कई बार कम उम्र के अभिनेता दिखावटी लग सकते हैं, खासकर तब जब दर्शकों को उनकी वास्तविक उम्र का पता हो। तब्बू ने आगे कहा कि दर्शकों ने देखा है कि वे वर्तमान में कैसे दिखते हैं। हालांकि, यंग भूमिकाओं के निभाने वाले उम्रदराज अभिनेताओं के किरदार और उसके कॉन्सेप्ट पर निर्भर करती है। कुछ मामलों में, यह अच्छा काम कर सकता है, लेकिन 'औरों में कहां दम था' के लिए, उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं थी, और यह इस तरह से बेहतर काम करता है।

फिर लौट आई स्त्री, 15 अगस्त को थिएटर्स में होगी रिलीज

साल 2018 में रिलीज हुई स्त्री एक ऐसी सरप्राइज हिट थी जिसने दर्शकों को जबरदस्त एंटरटेनमेंट दिया था। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर और पंकज त्रिपाठी स्टारर इस फिल्म ने हॉरर और कॉमेडी को जिस तरह बैलेंस किया था, वो हिंदी फिल्मों के लिए एक लैंडमार्क बन गया। स्त्री के बाद से पिछले 4 साल में प्रोड्यूसर पूरा हॉरर यूनिवर्स खड़ा कर चुके हैं जिसमें रूही, भेड़िया और मुंज्या जैसे प्रेत आ चुके हैं। मगर स्त्री की वापसी के बिना मामला अधूरा लग रहा था और गुड न्यूज ये थी कि श्रद्धा कपूर का सबसे पॉपुलर किरदार फिर से लौट रहा है। अब फैन्स के लिए बड़ी खुशखबरी बनकर स्त्री 2 का ट्रेलर आ गया है।

स्त्री के अंत में आपने देखा ही होगा कि श्रद्धा का किरदार फिल्म के अंत में, प्रेत की कटी चोटी साथ लेकर चल देती है, जिसमें कुछ अलग शक्तियां हैं। विक्की एंड गैंग ने मिलकर स्त्री को तो भगा दिया, पर चंदेरी पुराण में लिखा है कि स्त्री के जाते ही एक नया प्रेत आनेवाला है। और इस नए प्रेत का नाम है सरकटा। यही वो प्रेत है जिसकी वजह से स्त्री का आतंक शुरू हुआ था।

इस दिन रिलीज होगी स्त्री 2

स्त्री 2 के डायरेक्टर अमर कौशिक हैं, जिन्होंने इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म के अलावा बाला और भेड़िया भी डायरेक्ट की है। ट्रेलर में ये देखा जा सकता है कि इस बार फिर से अमर ने जोरदार माहौल बना दिया है और कहानी में हॉरर-कॉमेडी के बैलेंस के साथ ही, जबरदस्त सरप्राइज भी होने वाले हैं। वरुण धवन के किरदार भेड़िया और हॉरर यूनिवर्स के बाकी किरदारों के कैमियो भी कहानी को और दिलचस्प बनाने वाले हैं। स्त्री 2 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कभी डिजाइनरों से कपड़े उधार लेकर पहना करती थीं सोनम

सोनम कपूर अभिनय की दुनिया में बड़ा नाम कमा चुकी हैं। अभिनय के साथ साथ वे फैशन की दुनिया की भी बेहतरीन हस्ती हैं। सोनम कपूर का फैशन के प्रति काफी अलग नजरिया रखती हैं। चाहे कैजुअल आउटिंग हो या ग्लैमरस रेड कार्पेट इवेंट, अभिनेत्री हमेशा अपने बेजोड़ स्टाइल सेंस से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने अपने स्टाइल के बारे में बात की कि वे कैसे कपड़े चुनती हैं और इस बीच की सभी चीजें कैसे संभालती हैं। सोनम ने कहा, मैं सिर्फ वही पहनना चाहती थी, जो मुझे अपने जाने-पहचाने डिजाइनरों से पसंद था। यह सिर्फ मैं ही थी जो मेरी मां से मिली शिक्षा और फैशन के प्रति मेरे जुनून से प्रभावित थी। मैं अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही तरह के फैशन डिजाइनरों को स्टार मानती थी, क्योंकि मैं अपनी मां के जरिए उन्हें पसंद करती हुई बड़ी हुई हूं। यह किसी छवि को पेश करने के बारे में नहीं था, यह फैशन के प्रति मेरे सच्चे प्यार के बारे में था। उन्होंने आगे कहा, मुझे एहसास हुआ कि लोग अक्सर कपड़े उधार नहीं लेते, इसलिए मैंने उन्हें उधार लेना शुरू कर दिया। हर समय सब कुछ खरीदना समझदारी नहीं थी। मैंने बहुत कुछ खरीदा, लेकिन उधार लेना अधिक व्यावहारिक था। यह प्रथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम थी, लेकिन भारत में नहीं, इसलिए मैंने वही किया जो उस समय सही लगा। मैं 20 साल की लड़की थी, बिना किसी रणनीतिक इरादे के बस फैशन के प्रति अपने जुनून का पीछा कर रही थी। सोनम अब एक वैश्विक फैशन आइकन हैं और अंतरराष्ट्रीय मीडिया द्वारा उनके बेहतरीन फैशन सेंस और ब्रांड्स पर उनके जबर्दस्त प्रभाव के लिए उनका सम्मान किया जाता है। उनके लगातार शानदार कपड़ों ने उन्हें दुनिया भर के शीर्ष फैशन ब्रांड्स में पसंदीदा बना दिया है। सोनम ने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, चाहे वह कला, सिनेमा या फैशन के माध्यम से हो।

न डिग्री न डिप्लोमा, फिर भी साल के 50 लाख कमाती है यह महिला

हर किसी की ख्वाहिश होती है कि उसे नौकरी ऐसी मिले, जिसमें पैसे तो जमकर मिलें लेकिन कामन करना पड़े। खासतौर पर अगर महिलाओं की बात की जाए तो उनके लिए नौकरी और भी ज्यादा चैलेंजिंग हो जाती है। महिलाओं के लिए बच्चों के जन्म के बाद नौकरी करना और भी मुश्किल होता है। ऐसे में वो अपने लिए ऐसा विकल्प चुनती हैं, जो करियर और घर दोनों को ही बैलेंस कर पाए।

आज कहानी ऐसी ही एक महिला की, जिसे न तो कोई ऑफिस जाने की टेंशन है, न ही वो किसी जल्दबाज़ी में रहती है। घर पर ही आराम से बैठकर महिला साल के 50 लाख रुपये कमा रही है। दिलचस्प तो ये है कि उसे काम भी सिर्फ 6 घंटे करना पड़ता है। हैरानी तो आपको ये जानकर होगी कि उसके पास कोई फैंसी डिग्री भी नहीं है। वो बच्चों को संभालने के साथ-साथ काम कर रही है और पैसे भी कमा रही है।

कहा जाता है कि जितनी मंहगी पढ़ाई और जितनी फैंसी डिग्री होगी, नौकरी भी उतनी ही बेहतरीन मिलेगी। हालांकि इस बात की कोई गारंटी नहीं होती। वहीं रोमा नॉरिस नाम की एक महिला बिना डिग्री-डिप्लोमा के ही अच्छा-खासा पैसा कमा रही है। 40 साल की रोमा खुद 2 बच्चों की मां हैं और पिछले 17 साल से वो बतौर पैरेंटिंग कंसल्टेंट काम कर रही हैं। अपनी जिंदगी में उन्होंने 2 डिग्रियां पूरी करनी चाही थीं, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। हालांकि उन्हें अब किसी डिग्री की जरूरत नहीं हैं क्योंकि वैसे ही हर घंटे आराम से 29 हजार की कमाई हो रही है। रोमा दरअसल उन लोगों की मदद करती हैं, जो नए-नए माता-पिता बने हैं। वे पैरेंट्स को बच्चे सुलाना, पॉटी ट्रेनिंग कराना, उन्हें खिलाना और बात कराना सिखाती हैं। वो कई बार तो लेबर पेन के दौरान भी मां को सपोर्ट करने और ब्रेस्टफीडिंग में भी मदद करती हैं। वे घर पर ही 6 घंटे काम करके साल में 50,000 यानि 50 लाख रुपये से ज्यादा कमाती हैं। लोग उनसे ऑनलाइन सलाह लेकर भी फीस भरते हैं।

अजब-गजब | यहां उल्लुओं से बात करने को खर्च करने होते हैं डेढ़ हजार रुपये

ये है उल्लुओं का कैफे, जहां 8 घंटे काम करते हैं उल्लू, मौजूद है 9 पक्षियों की टीम

दुनिया में अलग-अलग जगहें हैं और उनकी अपनी अलग-अलग खासियत। कुछ जगहें तो ऐसी भी हैं जो अपने अजीबोगरीब डेस्टिनेशंस की वजह से मशहूर हैं। इस वक्त एक ऐसा ही कैफे चर्चा में है, जहां लोगों का स्वागत करने के लिए इंसान नहीं बल्कि उल्लू मौजूद होते हैं। आप ये नज़ारा देखेंगे, तो हैरान रह जाएंगे क्योंकि रिसेप्शन पर उल्लुओं की कतार नज़र आ ही है। इस कैफे का एक वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है। यहां पर उल्लुओं पर काम पर लगे देखकर कुछ लोगों को तो ये दिलचस्प लग रहा है लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि ये क्रूरता है। आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर उल्लू करते क्या होंगे?।

ये कैफे हर दिन दोपहर में 2 बजे खुलता है। इसकी वजह ये है कि उल्लुओं को पूरी रात और सुबह तक आराम करने का मौका मिल सके। जब कैफे बंद हो जाता है तो उन्हें आज़ादी से घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है। कैफे का नाम बूमाह कैफे है। ये कैफे जापान की आउल कैफे से प्रेरित होकर बनाया गया है। इंस्टाग्राम पर कंटेंट क्रिएटर लिटिल फूडी ने कैफे का एक वीडियो शेयर किया गया था। वीडियो में कई उल्लू अपने नाम और टैग के साथ दिखाई दे रहे हैं।

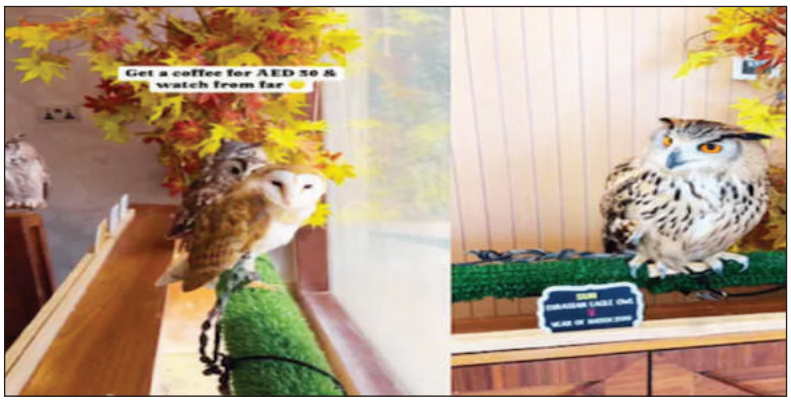

कैफे के ओनर मोहम्मद अल शेही हैं उन्होंने बताया कि उल्लुओं के कमरे को शीशे से बांटा गया है। यहां आने वाले लोग उन्हें दूर से देख सकते हैं लेकिन अगर वो उनके पास जाना चाहते हैं और उनके बात करना चाहते हैं, तो इसके लिए AED 70 यानि लगभग डेढ़ हज़ार रुपये देने होंगे। इस वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं लेकिन उन्हें उल लुओं की आज़ादी की भी चिंता है। ओनर के मुताबिक कैफे के ज्यादातर उल्लू ऐसे हैं, जो दिव्यांग हैं और जंगल में नहीं रह सकते, ऐसे में यहां उनकी देखभाल की जाती है।

संघ प्रमुख के बयान पर मचा सियासी घमासान

भागवत ने कहा- इंसान सुपरमैन बनना चाहता है

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

» आदिवासी पिछड़े हुए हैं बहुत काम करने की जरूरत : भागवत

» विविधताओं के बावजूद हम सभी भारतीय एक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुमला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के बयान को लेकर एकबार फिर सियासी बवाल मचा हुआ है। दरअसल संघ प्रमुख ने झारखंड में कहा था एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर एक देव और फिर भगवान। आंतरिक और बाह्य दोनों ही प्रकार के विकासों का कोई अंत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रि या है। बहुत कुछ किया जा चुका है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है। अब इसी बयान को ढाल बनाकर कांग्रेस ने बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरा है।

आएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि आदिवासी पिछड़े हुए हैं और उनके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। जंगल के इलाकों में जहां आदिवासी पारंपरिक रूप से रहते हैं, वहां के लोग शांत और सरल स्वभाव के होते हैं, जो बड़े शहरों में नहीं मिलते। यहां मैं ग्रामीणों पर आंख मूंदकर भरोसा कर सकता हूं, लेकिन शहरों में हमें सावधान रहना होगा कि हम किससे बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर एक देव और फिर भगवान। आंतरिक और बाह्य दोनों ही प्रकार के विकासों का कोई अंत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है। बहुत कुछ किया जा चुका है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है। मोहन भागवत ने आदिवासी समाज के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जनजाति बथु विकास में पीछे तो जरूर हैं, परंतु शांतिप्रिय और प्रामाणिक हैं। इन पर आंख मूंद कर विश्वास कर सकते हैं। सरसंघचालक ने कहा कि आदिवासी समाज के लिए हम जो काम करते हैं वह उन पर उपकार नहीं करते हैं। दूसरे के लिए सेवा कार्य करते हैं तो अपना भी विकास करते हैं। विकास भारती के सचिव अशोक भगत जी बेहतर कार्य कर रहे हैं। मोहन भागवत ने आगे कहा कि यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं। 3800 भाषा और बोली है। खान पान रीति रिवाज अलग है, स्वभाव अलग है। इसके बाद भी भारत के लोग एक हैं। यह विदेश में देखने को नहीं मिलता है।

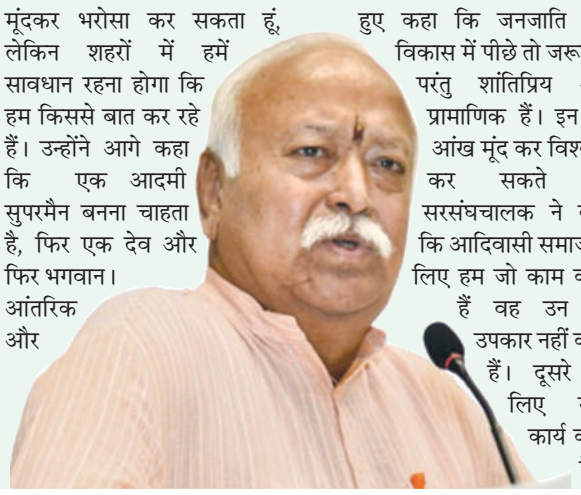

मुझे यकीन है कि नॉन-बायोलॉजिकल पीएम को खबर मिल गई होगी : जयराम

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे यकीन है कि स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को इस ताज़ा अग्नि मिसाइल की ख़बर मिल गई होगी, जिसे नागपुर ने झारखंड से लोक कल्याण मार्ग को निशाना बनाकर दागा है।

भाजपा के दो सांसद टीएमसी में होंगे शामिल : कुणाल

» 21 जुलाई को आयोजित होगा कार्यक्रम

» ममता और अभिषेक बनर्जी लेंगे अंतिम फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसदों ने 21 जुलाई को आयोजित होने वाले शहीद दिवस समारोह के दौरान में तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जतायी है। घोष ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेंगे। घोष ने दावा किया, हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12 सांसद चुने गए हैं और उनमें से दो हमारे संपर्क में हैं।

उन्होंने हमसे संपर्क करके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई है। वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं और 21 जुलाई के कार्यक्रम के दौरान पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन सांसदों की पहचान इस समय उजागर नहीं की जा सकती। घोष ने बताया कि चूंकि ये सांसद हाल ही में निर्वाचित हुए हैं, इसलिए तृणमूल नेतृत्व ने उन्हें दलबदल रोधी कानून के दायरे में आने से बचने के लिए कुछ समय इंतजार करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ही इस मामले में अंतिम फैसला करेंगे। भाजपा की बंगाल ईकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने घोष के इस दावे को तवज्जो नहीं देते हुए कहा, कुणाल घोष अक्सर ऐसे बयान देते हैं जिन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं पर हो रहा अत्याचार : जगन मोहन

» पूर्व सीएम ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्षी वाईएसआरसीपी नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सत्तारूढ़ टीडीपी और उसके सहयोगियों द्वारा उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित अत्याचारों की शिकायत की। रेड्डी ने आरोप लगाया कि केवल एक महीने में 31 लोगों की हत्या कर दी गई, 35 लोगों ने आत्महत्या कर ली, 560 निजी और 490 सरकारी संपत्तियां नष्ट कर दी गईं और 2,700 लोगों को अपने गांवों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रेड्डी ने कहा, इसके अलावा, हिंसा और हमलों की 1,050 से अधिक घटनाएं हुई हैं।

यह वर्तमान सरकार के तहत हमारे राज्य में मामलों की स्थिति को दर्शाता है, जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिल्कुल भी इच्छुक नहीं है। ये घटनाएं वाईएसआरसीपी को दबाने के लिए एक दुष्ट डिजाइन का हिस्सा थीं, जिसका एकमात्र उद्देश्य पार्टी से जुड़े किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक परिदृश्य से बाहर करना था। यह पत्र विनुकोंडा में वाईएसआरसीपी कार्यकर्ता शेख राशिद की हत्या के मद्देनजर आया है।

है राजधानी का इलाका, हाल गांव से भी बदतर

» हाउस टैक्स लेने में नगर निगम आगे पर सुविधा देने में पीछे

» नगरनिगम के अधिकारी अपने में मस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेलीबाग खरिका वार्ड प्रथम सुभानी खेड़ा के लोग कच्ची सड़क पर फिसलने को मजबूर

लखनऊ। कहने को शहर पर हालात गांवों से भी बदतर हैं। मामला किसी सुदूर जिले का नहीं यह इलाका प्रदेश की राजधानी का है। खबर के अनुसार तेलीबाग खरिका वार्ड प्रथम सुभानी खेड़ा मोहल्ले की कच्ची सड़क ना बनने से स्थानीय लोग समस्याओ से जूझ रहे हैं। और अधिकारी हैं कि उनपर कोई फर्क नहीं पड़त है।

तेलीबाग सुभानी खेड़ा वीआईपी रोड गैस एजेंसी के दोनों तरफ का रास्ता मिट्टीयुक्त व कच्चा है जिसकी शिकयत 1 साल पहले स्थानीय लोगों ने महापौर से लेकर पार्षद से करी लेकिन समस्या का समाधान आज तक नहीं हुआ। वहां की जनता का कहना है कि जब हमसे हाउस टैक्स लिया जा रहा है तो हमें सुविधा क्यों नहीं दी जा रही है। नालियां बनी नहीं है सड़क का हाल इतना बुरा है कि हल्की सी बारिश में घर से निकल नहीं पाते है रोड पे चलना बहुत ही मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। नालियां चोक होने से गंदगी का भी अंबार लगा रहता है। जिससे बच्चों के बीमारी का डर बना रहता है। एक साल हो गए हम लोगों की कोई सुनने वाला नहीं कच्ची सड़क बरसात में बुरी तरह से मिट्टी के चलते कीचड़ में बदल जाती है। जिससे गिरने का डर बना रहता है आखिर हमारी सुनवाई कब होगी जिससे हम लोगों की घर से आने जाने की समस्या खत्म हो जाए।

सांसद को लिखा पत्र

उसके बाद वहां के सभी स्थानीय लोगों ने सांसद आर के चौधरी से अपनी समस्या को बताया उसके बाद सांसद आर के चौधरी ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर सड़क नाली का निर्माण कराने का अनुरोध किया है।

सूर्यकुमार को मिली टी-20 टीम की कमान

» श्रीलंका दौरे के लिए टीम घोषित

» शुभमन गिल उपकप्तान श्रेयस और हर्षित वनडे टीम में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। केकेआर को कप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी वनडे टीम में जगह मिल गई है। उधर शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में गौतम गंभीर का दखल माना जा रहा है।

अपनी मेंटरशिप में कोलकाता नाईट राइडर्स को आईपीएल 2024 का खिताब जीतने में अहम योगदान दिया। उन्हें ड्रेसिंग रूम में कड़े फैसले लेने के लिए जाना जाता है। गंभीर ने अपनी कप्तानी और मेंटरशिप में केकेआर को खिताब जिताया है। राहुल द्रविड़ के सफल कोचिंग कार्यकाल के बाद गौतम गंभीर को काफी बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। गंभीर और द्रविड़ के व्यक्तित्व में विरोधाभास देखने को मिलता है। द्रविड़ के शांत स्वभाव ने टीम के खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में स्थिरता और लचीलापन प्रदान किया। दूसरी ओर, गंभीर ने मैदान पर आक्रामकता दिखाई, जोश का प्रदर्शन किया। वह हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहते थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से गंभीर ने सफलतापूर्वक कमेंटेटर और मेंटर के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। इससे खेल की बारीकियों के बारे में उनकी गहरी समझ का पता चलता है। टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका में गंभीर को पहली परीक्षा देनी होगी। टीम को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध गंभीर ने टीम चयन इसकी एक झलक दिखाई है।

9 साल पहले ही सूर्या को लीडर बनाने की शुरू हुई थी तैयारी

सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार यादव को कप्तानी उस समय मिली है, जब टीम के हेड कोच गौतम गंभीर हैं। हालांकि, गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव को नौ साल पहले ही कप्तान के तौर पर ग्रूम करने का फैसला किया था। साल 2015 में जैक कालिस ने जब केकेआर की उप-कप्तानी छोड़ी तो गंभीर ने यह जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव को देने का फैसला किया था। इस फैसले से कहा जा सकता है कि भारतीय क्रिकेट में गंभीर युग की शुरुआत हो चुकी है।

महाराष्ट्र में सियासी गहमागहमी बढ़ी, कांग्रेस की बैठक जारी

एमएलसी चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर हो सकता है एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने के लिए कांग्रेस आज मुंबई में बैठकों का एक बड़ा दौर आयोजित करने के लिए तैयार है। पार्टी ने राज्य के सभी वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक निर्धारित की है, जिसकी अध्यक्षता महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और महाराष्ट्र के एआईसीसी प्रभारी रमेश चेनिथल्ला करेंगे।

हाल के संसदीय चुनावों में महाराष्ट्र में कुल 48 निर्वाचन क्षेत्रों में से कांग्रेस 13 लोकसभा सांसदों के साथ राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, और शिवसेना यूबीटी के 9 और एनसीपी (पवार) के 8 सांसदों के साथ, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने 30 सीटें जीतीं।

पार्टी चुनाव के लिए क्षेत्रों, सीटों और संख्या पर भी करेगी चर्चा

पार्टी के एक शीर्ष नेता के अनुसार, न केवल विधानसभा चुनाव की रणनीति बल्कि गठबंधन में पार्टी के रुख पर भी चर्चा की जाएगी, क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा में एमवीए में कांग्रेस 38 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। नेता ने कहा कि अन्य दो पार्टियां, राकांपा और शिवसेना, पिछले विधानसभा चुनावों के बाद विभाजित हो गई हैं और उनकी संख्या कम हो गई है, इसलिए पार्टी चुनाव के लिए क्षेत्रों, सीटों और संख्या पर भी चर्चा करेगी। नेता ने कहा पहले दौर की बैठक सुबह वानखेड़े स्टेडियम कॉन्फ्रेंस हॉल में होगी और बैठक का दूसरा सत्र दोपहर के भोजन के बाद तिलक भवन स्थित पार्टी कार्यालय में होगा। महाराष्ट्र में हाल के लोकसभा चुनावों में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की सफलता की कहानी रही है, जहां उन्होंने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 30 सीटें जीती हैं। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में बड़ी हिस्सेदारी चाहती है और उसकी नजर विदर्भ, उत्तरी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा जैसे क्षेत्रों में जीतने योग्य सीटों पर है, जहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है।

पूजा खेडकर पर गिरेगी गाज, हो सकती हैं बर्खास्त

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र को भेजी मामले की जांच रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर मामले में अपनी जांच रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। पूजा खेडकर सत्ता के दुरुपयोग और संघ लोक सेवा आयोग की उम्मीदवारी के दौरान अपने दावों की सत्यता को लेकर विवादों से घिरी हैं।

महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन गराडे की अध्यक्षता वाली महाराष्ट्र सरकार की समिति ने एक सप्ताह की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय समिति को भी भेज दी है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को दो सप्ताह में प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर के खिलाफ जांच करके अपनी रिपोर्ट देनी है। महाराष्ट्र सरकार ने अपनी जांच रिपोर्ट में विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त दस्तावेजों को भी जोड़ा है। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के सिविल सेवा में शामिल होने के लिए किए गए दावों की सत्यता की जांच चल रही है। पूजा खेडकर ने खुद के ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर से संबंधित होने का दावा किया था, लेकिन उनके पिता, जो पूर्व सिविल सेवक रहे हैं, उन्होंने अपनी संपत्ति 40 करोड़ रुपये बताई थी।

दोषी पाई गईं तो की जा सकती है सख्त कार्रवाई

महाराष्ट्र सरकार की रिपोर्ट में पूजा खेडकर के पुणे के कलेक्टर से अभद्र व्यवहार करने का भी जिक्र है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर पूजा खेडकर दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है। साथ ही उनके खिलाफ तथ्यों को छिपाने और गलत बयानबाजी करने के आरोप में आपराधिक कार्रवाई भी हो सकती है।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर ठप, एयरलाइंस से लेकर बैंक तक के काम रुके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंडिगो-स्पाइसजेट समेत तीन कंपनियों की सर्विस लड़खड़ाई

नई दिल्ली। हवाई सफर की सर्विस देने वाली एयरलाइन कंपनियों व बैंकों के सर्वर को माइक्राइसॉफ्ट का सर्वर डाउन होने से बड़ी टेक्निकल गड़बड़ी का सामना करना पड़ा है। इंडिगो, अकासा एयर और स्पाइसजेट एयरलाइंस को दुनिया के कई एयरपोर्ट्स पर वेब चेक-इन में दिक्कतों से जूझना पड़ा है। इस वजह से मुंबई, बंगलुरु, दिल्ली सहित देश के कई एयरपोर्ट्स पर उसके यात्रियों को परेशानी हो रही है।

अकासा एयर ने यात्रियों से कहा है कि वे एयरपोर्ट्स पर मैनुअली चेक-इन और बोर्डिंग की सुविधा दे रहे हैं। दरअसल, चेक-इन करने के लिए इंडिगो, अकासा एयर और स्पाइसजेट जिस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हैं, उसमें दिक्क त आई है। इन तीन एयरलाइंस का चेक-इन सिस्टम काम नहीं कर रहा है, जिसकी वजह से देशभर में उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। ये तीनों एयरलाइंस GoNow चेक-इन सिस्टम का इस्तेमाल करती हैं, जिसमें सुबह 10.45 बजे से पूरी दुनिया में तकनीकी दिक्कत की शुरुआत हुई है। एयरलाइंस इस मुद्दे को हल करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ काम कर रही हैं।

फोटो : 4पीएम

मांग मलिन बस्ती हैदर कैनाल कॉलोनी में कल्याण समिति ने रजिस्ट्री की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना से सांसद चन्द्रशेखर आजाद को ज्ञापन सौंपा।

मप्र में पुलिस के सामने दबंगई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन में बिल्डर को रिटायर्ड फौजी ने सीने में गोली मारी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में भाजपा नेता और सीएम मोहन यादव के खास माने जाने वाले बिल्डर प्रकाश यादव को रिटायर्ड फौजी ने गोली मार दी। दोनों के बीच बच्चों को लेकर विवाद चल रहा था। घटना कल देर रात नागझिरी थाना क्षेत्र के हामुखेड़ी की है। आर्मी से रिटायर्ड जवान सुरेंद्र प्रताप सिंह और भाजपा नेता व बिल्डर प्रकाश यादव का आसपास में ही मकान है।

जानकारी के अनुसार हामुखड़ी में रहने वाले भाजपा आर्थिक प्रकोष्ट के नगर संयोजक व बिल्डर प्रकाश यादव और रिटायर्ड फौजी सुरेंद्र प्रताप सिंह के बीच विवाद हो गया था। जिसकी सूचना मिलने पर नागझिरी थाना पुलिस विवाद सुलझाने के लिए मौके पर पहुंची। दोनों के बीच हो रहे विवाद को शांत करने का प्रयास किया जा रहा था, इसी बीच सुरेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी लायसेंसी रिवाल्वर लेकर आ गया और उसने प्रकाश यादव के सीने में गोली मार दी। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने घायल यादव को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने इलाज के बाद उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

बीच सड़क पर युवक ने किया बवाल

विभूतिखंड इलाके में कार छू जाने से बढ़ा झगड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विभूतिखंड इलाके में बीच सड़क युवक ने कार सवार परिवार के साथ बदसलूकी की। इतना ही नहीं उनके कार का कांच तोड़ दिया। विवाद कार छू जाने को लेकर शुरू हुआ था। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी सोने की चेन लूट कर भाग गया है। विभूतिखंड थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोमती नगर निवासी अभय शुक्ला देर रात पत्नी रूबी के साथ कार से मेदांता हॉस्पिटल से लौट रहे थे। समिट बिल्डिंग के पास एक कार के अचानक मुड़ने से पीछे से टकरा गए। पत्नी रूबी का आरोप है कि इसी दौरान आगे वाली कार पर बैठा युवक आया और कार का दरवाजा खोलने की कोशिश की। न खोलने पर किसी नुकीले हथियार से ड्राइवर साइड का कांच तोड़ दिया। वह पति के साथ मारपीट भी करने लगा। वीडियो बनाने पर गाली और धमकी देने लगा। उन्होंने बताया घटना के वक्त मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती भांजी को देखकर लौट रहे थे।

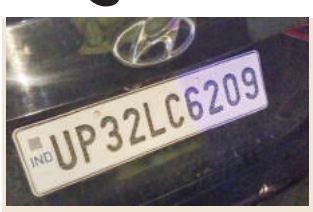

मामूली विवाद पर युवक ने की कार सवार परिवार के साथ बदसलूकी

जल्द गिरफ्तार होगा आरोपी : पुलिस

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद कार से भागने लगा। हमने कुछ दूर उसका पीछा किया और वीडियो बनाया। इस वीडियो में उसकी कार का नंबर भी आया है। पुलिस को दी गई तहरीर के साथ फुटेज भी उपलब्ध करा दिए गए हैं।

आरोपी नशे में धुत था

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी नशे में धुत था। समिट बिल्डिंग स्थित किसी बार से वह आया था। कार में पीड़ित के टकरा जाने पर घटना को अंजाम दिया। इस दौरान काफी लोग इकट्ठा हो गए। रोड पर जाम लग गया। तभी आरोपी मौके से भाग निकला। इंस्पेक्टर विभूति खंड का कहना है आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दो ट्रकों की टक्कर से लगी भीषण आग जिंदा जले दोनों चालक

हमीरपुर में हुआ हादसा, दो घायल, हाईवे पर लगा जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के कानपुर-सागर हाईवे पर देर रात करीब 12.30 बजे ब्लैक स्पॉट राठ तिराहा के पास दो ट्रक आपस में भिड़ गए। इससे उनमें आग लग गई। दो चालकों की जिंदा जलकर मौत हो गई।

वहीं, दो खलासी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया है। घटना के बाद से सुबह तक हाईवे पर जाम लगा रहा। मृत चालकों की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मौके पर सीओ राजेश कमल समेत यातायात पुलिस मौजूद रही। यातायात को सुचारू रूप से शुरू कराया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।